वजह से वहां सारे मजदूर बेकार हो जायगे । इस वक्त वहां पर काम करने की क्षमता बहुत थोड़ी है । मैं जानना चाहता हूं कि मंत्री महोदय इस बारे में क्या ठोस कदम उठाने जा रहे हैं जिससे मजदूर बेकार न होने पाये ।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : सवाल तो वैगन्स का है लेकिन माननीय सदस्य ने लोकोमोटिव के मुताल्लिक पूछा है । डीजल लोको वर्क्स, वाराणसी ने हाल ही में तंजानिया को कुछ इजन एक्सपोर्ट किये हैं । हमें उम्मीद है कि वहां जो इजन बनते हैं, उनके लिये फारेन मार्केट में कोई न कोई जगह जरूर मिल जायेगी ।.

SHRI RANABAHADUR SINGH: We are told that somewhere in Punjab a special type of goods wagons which have sliding roof are being manufactured which facilitates loading and unloading of heavy machinery. Are such wagons going to be released to all Indian railways instead of exporting them? If so, when?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: We have no information as to which unit in Punjab is manufacturing such special type of wagons. I will make enquiries and let you know.

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : एक तरफ तो मंत्री महोदय ने बताया कि देश में जितनी डिब्बों की जरूरत है, उस को पूरा नहीं कर पायेंगे और दूसरी तरफ बताया कि डिब्बे बनाने वाली जो इंन्डस्ट्रीज और फैक्टरीज हैं वह अपनी कैपेसिटी से बहुत कम बना रही हैं । इस स्थिति में सुधार करने के लिये क्या सरकार कोई कदम उठायेगी ।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जैसा कि मैंने कहा कि इंडस्ट्रीज अपनी कैपेसिटी का पूरा इस्तेमाल नहीं कर रही हैं । उन्होंने 24 हजार की इंडस्ट्री इंस्टाल्ड कैपेसिटी के मुकाबले में 10 हजार वैगन्स प्रोड्यूस किये हैं । उसके लिये खुद इंडस्ट्रीज को मेहनत करनी पड़ेगी ताकि वे बाहर के मार्केट में स्टैंड कर सकें और वहां अपना माल बेच सकें । हम कोशिश करते हैं कि इंडस्ट्रीज को कायम रखा जाये, उसमें रिट्रेंचमैंट कम-से-कम हो ।

Gang of Defrauders earning Refund Money on used Tickets uncovered at Dadar Station

*280. SHRI HARI SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether in the first week of January, 1976 the Railway Police at Dadar Station on Central Railway have uncovered a gang of defrauders who have been earning refund money on used tickets; and

(b) if so, on which stations of Central Railway the above gang was operating?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) No such case was detected in the first week of January, 1976. However, on 23-12-75, one person who tried to obtain refund on three used 2nd Class Mail/Express tickets ex-Dadar to Pune was apprehended and made over to the Government Railway Police. An associate of his, who accompanied him to Dadar Station was also made over to the Police authorities. Subsequently, on 10-1-1976, one Booking Clerk of Dadar was arrested by the Police for his suspected complicity. The G.R.P. have registered a case under sections 420, 468, 34 and 511 of the IPC and investigations are still in progress.

(b) Apparently, the gang was operating at Dadar and Pune but the exact

area of its operation will be known only on completion of the investigations.

श्री हरी सिंह : मैं जानना चाहता हूं कि दादर स्टेशन पर जो फेक टिकट का मामला सरकार ने और रेलवे पुलिस ने पकड़ा है, क्या सरकार ने इस मामले में और स्टेशन्स पर भी इन्क्वायरी की है कि जो फेक टिकट कंपनी ने बनाये थे क्या और जगह भी जारी हैं ? अगर हैं तो किस-किस स्टेशन पर और इसमें कौन-कौन मुलाजिम हैं और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : यह वाक्या दादर में ही हुआ है वहां हमने इसकी तहकीकात की है । जिन लोगों को पकड़ा गया है, उनके नाम मेरे पास मौजूद हैं । लेकिन यह भी मानना चाहिये कि जो हमारा रेलवे का अमला है वह काफी चाक-चौबन्द हो रहा है जिसने ज्यादा फ्राड को डिटैक्ट किया है । हमारी कोशिश है कि बाकी स्टेशनों पर भी निगाहबानी की जाये ?

SHRI N. K. P. SALVE: Are reports appearing in the papers that the three Ministers travel incognito to find out about ticketless travel true? If so, how many cases of frauds they have detected, and whether there have been any difficulties on account of such incognito travel?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: We only go out occasionally to create some inspiration amongst the staff. The credit goes to the staff who ultimately catch these culprits.

श्री हरी सिंह : क्या सरकार ने गंभीरता से कुछ सोचा है कि इस तरह के वाकयात न हो पाय । इसकी एक वजह यह है कि जब मुसाफिर टिकट देकर बाहर जाता है तो उस वक्त इतनी भीड़ होती है कि टिकट लेने वाला देखता ही नहीं है कि टिकट असली है या नकली । मैं जानना चाहता हूं कि इस बुराई को रोकने के लिये सरकार ने क्या कोई योजना बनाई है ? अगर हां, तो उसका प्रारूप क्या है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जब से ऐसे वाक्यात हमारे नोटिस में लाये गये हैं कि इस्तेमाल शुदा टिकटों को रिफन्ड मांगा जाता है, तब से तमाम स्टेशनों को हिदायत की गई है कि एहतियात से काम करें और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही करें जो ऐसे काम में लगे हुए हैं ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Trains running in Saurashtra Region

*267. SHRI P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that most of the trains in the Saurashtra region of Gujarat are running with slow speed, inadequate coal and water supply and imperfect or out of date railway operational facilities and equipment causing several hardships to passengers and traders in the entire region; and

(b) if so, the remedial steps being taken by Government to improve the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Sir, the maximum permissible speed of main line passenger carrying trains in Saurashtra region ranges from 65 KMPH to 75 KMPH on metre gauge, which is comparable with other metre gauge sections on Indian Railways. There is at present no shortage of coal or water supply or imperfect or out of date railway operational facilities and equipment which might cause hardships to passengers.

(b) Does not arise.